मु.मंत्री भजनलाल ने हरियाणा में खट्टर के लिए जनसभा की

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर कर्नाल से चुनाव लड़ रहे हैं

- मु.मंत्री भजनलाल ने कहा कि, मोदी के कुशल नेतृत्व में देश महाशक्ति बनेगा, इसके लिए आप सभी खट्टर को विजयी बनाएं
- मु.मंत्री ने कहा, वर्ष 2014 के बाद मोदी ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया है और देश का विकास किया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को करनाल के असंद में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। खट्टर हरियाणा की करनाल लोकसभा सीट से इस बार चुनाव लड़ रहे हैं। सभा स्थल पर पहुंचते ही खट्टर एवं मु. मंत्री भजनलाल शर्मा ने एक दूसरे का गर्मजोशी के साथ अभिवादन किया।

असंध, 13 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, आजादी की लड़ाई में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों ने खुशहाल और विकसित भारत का सपना देखा था लेकिन कांग्रेस ने सत्ता में आने के बाद उनके सपनों पर पानी फेर दिया और वर्षों तक देश में भ्रष्टाचार किया। उनके राज में आये दिन एक से बढ़कर एक घोटाले उजागर होते रहे।

मुख्यमंत्री सोमवार को हरियाणा के असंध में करनाल लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी मनोहर लाल खट्टर के समर्थन में आयोजित विजय संकल्प रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि, राहुल गांधी आज गरीबी हटाने की बात कर रहे हैं। ऐसी ही बातें कभी उनकी दादी इंदिरा गांधी भी किया करती थीं, मगर देश से कभी गरीबी हटी नहीं। शर्मा ने कहा कि, वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के 25 करोड लोगो को गरीबी से छुटकारा दिलाया है। उनके कार्यकाल में गरीब कल्याण, देश का विकास, सीमाओं की सुरक्षा और देश का सम्मान बढ़ाने सहित सभी क्षेत्रों में देश ने बेमिसाल उन्नति की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, वर्ष 1998 में 11 और 13 मई के दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने पोकरण में परमाणु परीक्षण कर दुनिया को भारत की ताकत का अहसास दिलाया था। कई देशों ने भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने की बात भी कही मगर अटल विचलित नहीं हुए। शर्मा ने कहा कि, इसी प्रकार का साहस और दृढ निश्चय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में भी है। वर्ष 2014 से पहले देश में आये दिन आतंकी घटनाएं होती रहती थीं। लावारिस वस्तुओं को न छूने के विज्ञापन जारी होते थे। मगर मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में इस तरह की घटनाएं करने की किसी की हिम्मत नहीं होती है, क्योंकि मोदी दुश्मन को घर में घुसकर मारने में विश्वास रखते हैं। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री सीमा पर तैनात देश के जवानों के बीच जाकर उनका हौसला बढ़ाते हैं, जबकि कांग्रेस के नेता पाकिस्तान के प्रति प्रेम जताते हैं। यदि उन्हें पाकिस्तान से इतना ही प्रेम है तो वीज़ा बनवाकर वहां रहने लग जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, कांग्रेस हमेशा से ही तुष्टीकरण के आधार पर देश चलाती आ रही है। इस पार्टी ने जाति, धर्म और प्रांत के आधार पर देश को बांटने का काम किया है और इन दिनों ये लोग रंगभेद की राजनीति भी करने लगे हैं। कांग्रेस के नेताओं ने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 लगाई। कांग्रेसी कहते थे कि धारा 370 हटाई तो खून की नदियां बहेंगी। मगर मोदी जी ने अपने दृढ़ संकल्प और इच्छाशक्ति से धारा 370 हटाकर सभी देशवासियों को वहां बराबर का अधिकार दिया और अमन शांति कायम की।

शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा देशवासियों को धोखा दिया है और इनके गठबंधन के साथी इनसे भी बड़े ठग हैं और इनका गठबंधन नहीं ठगबंधन है। उन्होंने कहा कि, केजरीवाल अन्ना हजारे का सहारा लेकर और भ्रष्टाचार हटाने के मुद्दे पर राजनीति में आये थे मगर खुद ही इसमें पूरी तरह डूब गये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि, 21 वीं सदी भारत की होगी। आज उन नरेन्द्र (स्वामी विवेकानंद) के संकल्प को हम इन नरेन्द्र (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी) के कार्यकाल में साकार होता हुआ देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि, इस लोकसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन की भारी बहुमत से जीत होगी और मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। शर्मा ने कहा कि, मोदी के कुशल नेतृत्व में आने वाले वर्षा में भारत महाशक्ति बनेगा और दुनिया का सिरमौर होगा। उन्होंने उपस्थित जनों से, करनाल से भाजपा प्रत्याशी मनोहर लाल खट्टर को विजयी बनाने की अपील की।

राजधानी जयपुर के 68 स्कूलों को मिली बम विस्फोट की धमकी के कारण अचानक शहर भर में हड़कम्प मच गया। माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में पुलिस एवं बॉम स्क्वॉड दस्ते ने सघन तलाशी अभियान चलाया। तलाशी अभियान से पहले ही सतर्कता बरतते हुये बच्चों को क्लासरुम से बाहर निकाल दिया गया। इस बात की खबर जैसे ही अभिभावकों को मिली वे बुरी तरह परेशान हो गये।

एक साथ 68 नामी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से जयपुर में हड़कम्प

सभी स्कूलों के ऑफिशियल ई-मेल पर रशियन सर्वर से सुबह करीब चार बजे विस्फोटक सामग्री रखे होने का मैसेज मिला

- सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉड और अन्य सुरक्षा एजेंसियों सहित करीब दो हजार पुलिस कर्मियों ने सर्च ऑपरेशन चलाया।
- सुबह से दोपहर बाद तक चले तलाशी अभियान में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने से स्कूल, पुलिस और प्रशासन ने राहत की सांस ली।
- राजधानी के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी के मामले को लेकर मुख्य सचिव सुधांश पंत ने एमरजैंसी मीटिंग बुलाई।
- साइबर थाना पुलिस भी मामला दर्ज कर जांच में जुटी।

जयपुर, 13 मई। राजधानी जयपुर में सोमवार को सुबह ई-मेल पर एक साथ 68 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। आनन-फानन में बच्चों को स्कूल से बाहर निकालकर उनके घर भेजा गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉड और अन्य सुरक्षा ऐजेन्सियों सहित करीब दो हजार पुलिस कर्मियों ने तलाशी ऑपरेशन चलाया। स्कूलों में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने से सबने राहत की सांस ली।

पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि, सोमवार सुबह करीब चार बजे जयपुर शहर के विभिन्न स्कूलों में विस्फोटक सामग्री रखे जाने का मेल भेजा गया। करीब छह बजे से शहर के माहेश्वरी स्कूल, तिलकनगर, विद्या आश्रम स्कूल, ओटीएस चौराहा, सेंट टैरेसा स्कूल निवारू रोड, महर्षि पीजी कॉलेज, टोंक रोड, सांगानेर एम.जी.पी.एस. विद्याधर नगर, मालवीय कॉन्वैंट स्कूल मालवीय नगर, वॉरैन एकेडमी महेश नगर, संस्कार स्कूल वैशाली नगर, जयपुरिया स्कूल बजाज नगर, माहेश्वरी पब्लिक स्कूल प्रताप नगर, द पैलेस स्कूल माणक चौक, जयश्री पेड़ीवाल स्कूल, चित्रकूट सहित 68 स्कूलों में सोमवार को विस्फोटक सामग्री रखे जाने की सूचनाएं ई-मेल के जरिये प्राप्त हुईं। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए तलाशी अभियान शुरु किया गया। सुबह से शाम तक चले तलाशी अभियान में किसी भी स्कूल में कोई विस्फोटक सामग्री नही मिली।

उन्होंने बताया कि स्कूलों में आए सभी ई-मेल एक ही सोर्स से भेजे गए हैं। स्कूल संचालकों की ओर से साइबर थाने में मामला दर्ज किया गया, जिसकी, जांच की जा रही है। मेल करने वाला कौन है, यह पता लगाने के लिए साइबर टीमें जुटी हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि ये मेल रशियन सर्वर से भेजे गए हैं। पुलिस कमिश्नर ने लोगों से अपील की है कि, किसी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान ना दें।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर जयपुर, क्राइम, कैलाश विश्नोई ने बताया कि, 68 स्कूलों में तलाशी अभियान के लिए 6 बम निरोधक दस्तों को लगाया गया। विश्नोई ने बताया कि ज्यादातर समय दो बम स्क्वॉड की टीमें तैयार रहती हैं। लेकिन इस बार बड़े स्तर पर धमकी मिली थी, इस लिए 6 टीमों को तलाशी अभियान में शामिल किया गया। बम स्क्वॉड की टीमें इंटैलिजैंस के पास होती हैं, जरूरत पड़ने पर इन्हें बुलाया जाता है।

राजधानी जयपुर के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी के मामले को लेकर मुख्य सचिव सुधांश पंत ने एमरजैंसी मीटिंग बुलाई। मीटिंग में ए.सी.एस. होम आनंद कुमार और डी.जी. इंटैलिजैंस संजय अग्रवाल को बुलाया गया। दोनों ही अधिकारियों ने धमकी भरे मेल आने के बाद अब तक चले ऑपरेशन की जानकारी मुख्य सचिव को दी।

गौरतलब है कि, स्कूलों में आज मिली धमकी को 16 साल पहले हुए जयपुर बम धमाकों से जोड़कर देखा जा रहा है। जयपुर बम धमाकों की सोमवार को 16वीं बरसी थी। 13 मई 2008 को शाम के समय शहर के परकोटा क्षेत्र में सिलसिलेवार तरीके से आतंकियों ने दो मंदिरों सहित छह जगहों पर आठ बम धमाके किए थे। इन धमाकों में 71 लोगों की जान गई थी और 181 लोग घायल हुए थे।

डॉ. किरोड़ी को हाई कोर्ट से राहत

जयपुर, 13 मई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने वर्ष 2012 में दौसा रेलवे स्टेशन पर बिना अनुमति रेल रोकने के मामले में कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के खिलाफ रेलवे कोर्ट में चल रही कार्रवाई पर रोक लगा दी है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश किरोड़ी लाल मीणा की आपराधिक याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता सुधीर जैन ने अदालत को बताया कि, याचिकाकर्ता सहित चार लोगों पर 9 अप्रेल, 2012 को दौसा रेलवे स्टेशन पर बिना अनुमति रेल रोकने का आरोप है। इसे लेकर आर.पी.एफ. थाना, दौसा, ने मामला दर्ज किया था। प्रकरण में आरोप पत्र पेश होने के बाद रेलवे कोर्ट में सुनवाई चल रही है। इसी बीच वर्ष 2020 में रेलवे की ओर से कोर्ट में प्रार्थना पत्र पेश कर केस वापस लेने की अनुमति मांगी गई।

- राजस्थान हाई कोर्ट ने वर्ष 2012 में दौसा रेल्वे स्टेशन पर बिना अनुमति रेल रोकने के मामले में डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के खिलाफ रेल्वे कोर्ट में चल रही कार्यवाही पर रोक लगा दी है।

इस प्रार्थना पत्र को रेलवे कोर्ट ने 6 जनवरी, 2021 को खारिज कर दिया था। इसके खिलाफ पेश रिविज़न को भी अदालत ने गत 16 मार्च को खारिज कर दिया था। दोनों आदेशों को हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा गया कि, कोर्ट ने रेलवे के प्रार्थना पत्र की व्याख्या सही ढंग से नहीं की है। ऐसे में निचली अदालत का आदेश रद्द कर केस वापस लेने की अनुमति दी जाए।

वहीं रेलवे सुरक्षा बल की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राजदीपक रस्तोगी ने जवाब पेश करने के लिए समय मांगा। उन्होंने स्वीकार किया कि, रेलवे इस मुकदमे को आगे नहीं चलाना चाहती है और इसे व्यापक जनहित में वापस लेना चाहती है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद एकलपीठ ने निचली अदालत में चल रही कार्रवाई पर रोक लगा दी है।

बंगाल में चुनाव के चौथे चरण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तृणमूल के लोग पिछले सप्ताह से संदेशखाली में सक्रिय हैं और उन महिलाओं के वीडियो बना रहे हैं और रिलीज़ कर रहे हैं जिन्होंने तृणमूल के नेता-कार्यकर्ताओं पर धन ऐंठने और बलात्कार के आरोप वापस ले लिए हैं। राज्य पुलिस शिकायतकर्ताओं के साथ सख्ती से पेश आ रही है और उन्हें पुलिस पूछताछ की प्रक्रिया में लगातार उलझाए रखा जा रहा है।

पुलिस ने घनी रात में गीता बेआर को उसके घर से गिरफ्तार किया क्योंकि गीता भी शिकायतकर्ताओं और आंदोलनकर्ताओं में शामिल थी। उसके खिलाफ की गई पुलिस कार्रवाई के बारे में पता चलने पर हजारों स्थानीय महिलाओं ने उसकी तुरन्त रिहाई की मांग को लेकर शांतिपूर्ण धरना शुरु कर दिया।

धरना दे रहीं महिलाओं को पुलिस घसीटकर ले गई और पुलिस लाठीचार्ज में उनमें से कई घायल हो गईं।

इसके विपरीत डकैती के एक प्रकरण में, जिसमें तृणमूल कांग्रेस से जुड़े लोग शामिल थे, को लेकर जब प्रदर्शन किया गया तब स्थानीय पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

तथापि, आज शाम पुलिस ने आंदोलनकारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरु की। संदेशखाली के लोग नारेबाजी कर रहे हैं, और शिकायतें कर रहे हैं।

हिंसा और कई जगहों पर मौत की खबरों के बीच बंगाल में चुनाव का चौथा चरण निबट गया। दुर्भाग्य से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, जो कि राज्य की पुलिस मंत्री भी हैं, सहित किसी ने भी किसी तरह का खेद व्यक्त नहीं किया।

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष दिलीप घोष दुर्गापुर में अपने निर्वाचन क्षेत्र के कुछ इलाकों का दौरा कर रहे थे, तब तृणमूल कांग्रेस के गुण्डों ने उन पर हमला बोल दिया। घोष तुरन्त प्रभाव से उन क्षेत्रों में गए थे, जहां बूथ कैप्चरिंग और फर्जी मतदान की व्यापक शिकायतें थीं। जब वे विवादित क्षेत्रों में पहुंचे तब तृणमूल के बाहुबलियों ने उन पर हमला कर दिया। वे घोष पर पत्थर और ईंटें फेंकने लगे। हमले में उनकी कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घोष और भाजपा समर्थको के साथ तृणमूल के कई समर्थकों ने धक्का-मुक्की की।

कांग्रेस के सीनियर नेता अधीर रंजन चौधरी को उन वोटिंग बूथों पर जाने की अनुमति नहीं दी गई जहां फर्जी मतदान की खबरें थीं। उन्हें अनुमति ना दिए जाने के संबंध में पुलिस का तर्क था कि चौधरी के वाहनों के वाफिले में बहुत कारें होती हैं।

वास्तव में, तृणमूल के लोगों का समर्थन कर रहे राज्य प्रशासन की मनमानी का सभी विपक्षी पार्टियां एक स्वर में विरोध कर रही हैं।

वरिष्ठ भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बीच नहीं रहे। पूरे भाजपा संगठन परिवार के साथ-साथ मेरे जैसे असंख्य कार्यकर्ताओं के लिए यह एक अपूरणीय क्षित है।

अपने संगठन कौशल, प्रशासनिक समझ और सामाजिक राजनीतिक विषयों पर गहरी जानकारी के लिए वे हमेशा याद किए जाएंगे। ईश्वर दिवंगत आत्मा को चिरशांति और परिजनों को इस शोक की घड़ी में संबल प्रदान करें।"

भाजपा की हैदराबाद से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"मैं चुनावी उम्मीदवार हूँ। कानून के अनुसार एक उम्मीदवार को मतदाता की वोटर आई.डी. की जांच करने का अधिकार है। मैं पुरूष नहीं हूँ, मैं एक महिला हूँ और मैंने बहुत ही विनम्रता के साथ उनसे अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति इस मामले को तूल देकर बड़ा करना चाहता है तो इसका मतलब है वे काफी डरे हुए हैं।"

हालांकि ओवैसी ने इस घटना पर अपनी कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है परन्तु उन्होंने घटना के वीडियो को अपने एक्स एकाउंट पर लोगों के साथ साझा किया है। भाजपा के प्रत्याशी ने मतदाता सूची में विसंगतियां होने का आरोप लगाया है। उन्होंने मीडिया से कहा कि, "पुलिस कर्मी बहुत सुस्त नज़र आ रहे हैं, वे चुस्त-दुरूस्त नहीं है। वे कुछ भी जांच नहीं रहे हैं। वरिष्ठ मतदाता नागरिक यहां वोट डालने के लिए आ रहे हैं परन्तु उनके नाम मतदाता सूची से काट दिए गए हैं।"

हैदराबाद में एक ध्रुवीकृत चुनावी मुकाबले की पृष्ठभूमि के चलते उनके खिलाफ वीडियो वायरल किए जा रहे हैं यह सीट मुस्लिम बहुल आबादी वाली सीट है और इस सीट पर असदुद्दीन ओवैसी के परिवार की मजबूत पकड़ है।

चुनाव से पहले माधवी लता ने कहा था कि उन्हें मुस्लिम वोटरों का समर्थन सहयोग मिलने की इसलिए उम्मीद है क्योंकि भाजपा तीन-तलाक एवं मुस्लिम नवयुवकों को रोजगार पर पहले ही अपनी बात कह चुकी है। वायरल वीडियोज़ और उनसे जुड़े विवाद से उनकी पहुचं अल्पसंख्यक मतदाताओं तक प्रभावशाली होने की संभावना है।

क्या केजरीवाल के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बचे हुए तीन चरणों में 40 सीटों पर मतदान होना है। इस वर्तमान विवाद के कारण केजरीवाल की महिलाओं और गरीबों को समर्थन देने वाली छवि की चमक फीकी पड़ सकती है। मालीवाल औपचारिक रूप से प्राथमिकी दर्ज कराएं या नहीं, यह घटना आप कार्यकर्ताओं के बीच आंतरिक लड़ाई और विवाद की तरफ जरूर इशारा करती है।

मालीवाल के आरोप ने स्पष्ट रूप से भाजपा में जोश भर दिया है, जो दिल्ली की सातों लोकसभा सीटें जीतकर, सन् 2014 और 2019 का अपना प्रदर्शन दोहराना चाहती है।

नई दिल्ली सीट से भाजपा प्रत्याशी, बांसुरी स्वराज ने इस घटना को "शर्मनाक" बताया है और केजरीवाल से पूछा है कि वह दिल्ली की महिलाओं की रक्षा कैसे कर सकते हैं जबकि उनकी उपस्थिति में ही उनकी पार्टी की नेता सुरक्षित नहीं है। केन्द्रीय मंत्री, अनुराग ठाकुर ने भी मुख्यमंत्री पर कटाक्ष करते हुए कहा, "आम आदमी पार्टी से अरविंद विज्ञापन पार्टी तक और अब अरविंद हमला पार्टी, पता नहीं यह पार्टी और इसके संयोजक अरविंद केजरीवाल कितना नीचे गिरेंगे। दिल्ली के भाजपा प्रमुख विरेंद्र सचदेवा ने कहा कि, "मालीवाल के साथ जो कुछ भी हुआ है उसकी जाँच होनी चाहिए ताकि केजरीवाल के इस पहलू का भी पर्दाफाश हो सके।"

संयोगवश, वर्ष 2018 में भी केजरीवाल पर इस तरह के आरोप लग चुके हैं, जब दिल्ली के मुख्य सचिव, अंशु प्रकाश ने "आप" विधायकों पर, मुख्यमंत्री आवास में देर रात उन पर हमले का आरोप लगाया था। यद्यपि, अगस्त 2021 में दिल्ली की अदालत ने मुख्यमंत्री केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और 9 अन्य को कथित हमले से दोषमुक्त कर दिया था।

झालावाड़...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बूथ मैनेजमेंट कमजोर रहा। जिले में कई जगह तो कांग्रेस पोलिंग एजेंट भी नज़र नहीं आए। अगर इस बार कांग्रेस इस सीट पर गंभीरता से एक जुट होकर चुनाव लड़ती तो परिणाम चौंकाने वाले भी हो सकते थे।

महाराष्ट्र में मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गये

गढ़चिरौली, 13 मई। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में सोमवार को नक्सलियों के साथ सुरक्षा बलों की मुठभेड़ हो गई। इस दौरान 3 नक्सली मारे गए जिनमें 2 महिलाएं हैं। यह जानकारी पुलिस ने दी। नक्सलियों के खिलाफ ऐक्शन के तौर पर इसे पुलिस की बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने कहा कि हमें खुफिया सूचना मिली थी। बताया गया कि नक्सलियों के पेरीमिली दलम के कुछ सदस्य अपने टैक्टिकल काउंटर ऑफेंसिव कैंपेन को लेकर एकजुट हुए हैं। ये अपनी साजिश को अंजाम देने के मकसद से भामरागढ़ तालुका के कटरांगट्टा गांव के पास जंगल में जमा हुए थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गढ़चिरौली पुलिस की विशेष दस्ते सी-60 कमांडो की 2 यूनिट्स को तुरंत इलाके में तलाशी अभियान के लिए भेजा गया। अधिकारी ने बताया कि जब दल तलाशी अभियान चला रहे थे, उसी समय नक्सलियों ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसका सी-60 कर्मियों ने जवाब दिया। उन्होंने बताया कि गोलीबारी रुकने के बाद घटनास्थल से 1 पुरुष और 2 महिला नक्सलियों के शव बरामद किए गए।

- मारे गये नक्सलियों में दो महिलायें हैं.

चौथे चरण में 63 प्रतिशत से अधिक मतदान

नई दिल्ली, 13 मई। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में सोमवार को 10 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेश में 96 सीटों पर मतदान हुआ। यहां रात 8 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार मतदान प्रतिशत 63 प्रतिशत से अधिक रहा। चुनाव आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम बंगाल में सर्वाधिक 76.02 प्रतिशत वोट डाले गए। जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर सीट पर 36.74 प्रतिशत मतदान हुआ था जो पिछले कुछ दशकों का सर्वश्रेष्ठ मत प्रतिशत है। महाराष्ट्र में मतदान 52.75 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश में 57.91 प्रतिशत और बिहार में 55.92 प्रतिशत वोट डाले गये।

आंध्र प्रदेश व पश्चिम बंगाल में हिंसा की घटनाओं और उत्तर प्रदेश के कुछ गांवों में चुनावों के बहिष्कार की खबरों के बीच आज वोटिंग हुई। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, शाम 5 बजे तक 62.31 फीसदी मतदान दर्ज किया गया था। आंध्र प्रदेश में 68.04 फीसदी, बिहार में 54.14 फीसदी, झारखंड में 63.14 फीसदी, मध्य प्रदेश में 68.01 फीसदी, महाराष्ट्र में 52.49 फीसदी, ओडिशा में 62.96 फीसदी, तेलंगाना में 61.16 फीसदी और उत्तर प्रदेश में 56.35 फीसदी मतदाताओं ने वोट डाला।

- प.बंगाल में सर्वाधिक 76.02 प्रतिशत वोट डाले गये तथा कश्मीर की श्रीनगर सीट पर सबसे कम 36.74 प्रतिशत मतदान हुआ।

एक वीडियो क्लिप सामने आने के बाद चुनाव अधिकारियों ने तेलंगाना की हैदराबाद लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार के माधवी लता के खिलाफ मामला दर्ज किया। वीडियो में वह बुर्का पहने महिला मतदाताओं से कथित तौर पर चेहरा दिखाने के लिए कह रही थीं। आंध्र प्रदेश में तेलुगु देशम पार्टी और वाईएसआरसीपी ने खासकर पलनाडु, कडप्पा और अन्नामय्या जिलों में एक-दूसरे पर हिंसा के आरोप लगाए। वाईएसआरसीपी ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर प्रतिद्वंद्वी तेदेपा पर वेमुरु, दारसी, इच्छापुरम, कुप्पम, माचेरला, मार्कापुरम, पालकोंडा और पेदाकुरापौडु समेत कई विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया।

पश्चिम बंगाल के 8 संसदीय क्षेत्रों में लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में हिंसा की छिटपुट घटनाओं के कारण बीरभूम और बर्धमान-दुर्गापुर लोकसभा सीट के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में टीएमसी और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। निर्वाचन आयोग ने कहा कि उसे अब तक विभिन्न राजनीतिक दलों से 1,088 शिकायतें प्राप्त हुईं हैं, जिनमें ईवीएम में खराबी और कार्यकर्ताओं को बूथ में प्रवेश करने से रोकने का आरोप लगाया गया है। बर्धमान-दुर्गापुर से भाजपा उम्मीदवार दिलीप घोष के काफिले पर दो जगहों पर पत्थर फेंके गए। सूत्रों ने दावा किया कि टीएमसी कार्यकर्ताओं ने घोष के साथ अभद्रता भी की। बीरभूम लोकसभा सीट के अंतर्गत नानूर में, भाजपा के पोलिंग एजेंटों को कथित तौर पर बूथ में प्रवेश करने से रोके जाने के बाद भाजपा कार्यकर्ता टीएमसी कार्यकर्ताओं से भिड़ गए।

मुम्बई में जोरदार आंधी, होर्डिंग के नीचे दबकर आठ की मौत

मुंबई, 13 मई। मुंबई को सोमवार को जोरदार आंधी ने हिला डाला। धूल भरी इस आंधी के चलते लोग जहां के तहां फंस गए और कई जगहों पर ट्रैफिक बाधित रहा। कई उड़ानों पर भी इसका असर पड़ा है। तेज हवाओं के चलते कहीं पेड़ गिर गए तो कहीं बैनर और बिलबोर्ड्स आदि आंधी में नीचे आ गिरे। एक ऐसा ही बड़ा सा बिलबोर्ड-हॉर्डिंग गिरने के चलते 8 लोगों की मौत हो गई और 64 लोग घायल हैं। 20 से ज्यादा लोग अंदर फंसे बताए जा रहे हैं। घायलों को राजावाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हॉस्पिटल का दौरा करने वाले बीएमसी आयुक्त भूषण गगरानी ने कहा, अब तक राजावाड़ी अस्पताल में कुल 64 लोग एडमिट हुए हैं। 4 लोगों को अस्पताल में मृत घोषित किया गया और 4 लोग मौके पर ही मृत पाए गए थे।

- पैट्रोल पम्प पर जमा लोगों पर अवैध होर्डिंग गिर गई इस हादसे में 64 लोग घायल हो गये।

बिलबोर्ड गिरने की घटना मुंबई के घाटकोपर इलाके की है। बिलबोर्ड एक पेट्रोल पंप के सामने लगा था, जो आंधी आने पर पंप के बीचोंबीच जा गिरा, जहां कुछ लोग मौजूद थे।

आंध्र में भारी वोटिंग...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फिर सत्ता में आने पर वह और बढ़िया काम करेंगे।

दूसरी तरफ तेलुगूदेशम के प्रमुख एन. चन्द्रबाबू नायडू ने मुख्यमंत्री के विरूद्ध बहुत आक्रामक प्रचार किया, उन्होंने मुख्यमंत्री पर भ्रष्टचार, कुशासन और वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाए और जनता से उन्हें सत्ता से बाहर करने की अपील की।

जैसे कि आज की स्थिति है, लोकसभा चुनावों में, दोनों राजनीतिक दलों को पचास-पचास प्रतिशत सीटें मिलती हैं, लेकिन विडम्बना यह है कि तेलुगूदेशम पार्टी और वाय.एस.आर.सी.पी. दोनों ही केन्द्र में भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को समर्थन देंगी। लेकिन, त्रिशंकू संसद के केस में, जगनमोहन रेड्डी पुर्नविचार कर सकते हैं।

संसदीय चुनावों के बाद, विभिन्न पार्टियों की सीटों पर सबकुछ निर्भर करेगा।

पड़ौसी राज्य तेलंगाना में कांग्रेस ने पूरे जोश के साथ चुनाव लड़ा है जैसा कि उसने विधानसभा चुनावों के समय किया था और भारी बहुमत प्राप्त किया था और इस बार कांग्रेस 25 सीटों में से 10 सीटें जीतने की और अग्रसर है। भाजपा की पिछली बार की तरह इस बार भी चार सीटें जीतने की संभावना है लेकिन दो सीटों की अदला-बदली हो सकती है।

संयोगवश केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी की सिकंदराबाद चुनाव क्षेत्र से हारने की संभावना है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री आश्वस्त लगे जब उन्होंने कहा कि वो कम से कम 14 सीटों पर जीतेंगे, जो कि हो भी सकता है क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर रॉव के नेतृत्व वाली क्षेत्रीय पार्टी बी.आर.एस. अपने सबसे बुरे चुनावी प्रदर्शन की तरफ तेजी से बढ़ रही थी।

एक राजनीतिक विश्लेषक ने कहा, ज्यादा से ज्यादा वह एक या दो सीटें जीत सकती है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908